(ग) से (ङ) दिल्ली में सरकारी और निजी क्षेत्र के अस्पतालों की कुल संख्या तथा वर्ष 1991 के अन्त तक उपलब्ध पलंगों का विवरण है। (नीचे देखिये)

दिल्ली प्रशासन के अधीन एक 500 पलंगों वाला अस्पताल और छह 100 पलंगों वाले अस्पताल स्थापित करने के लिए कार्रवाई विभिन्न चरणों में है।

दिल्ली में 1-1-1992 को विभिन्न प्रकार के अस्पतालों और उनमें पलंग संख्या का विवरण।

विवरणी

		संख्या	पलंग संख्या
1.	*स्थानीय निकाय* (दिल्ली नगर निगम+नई दिल्ली नगरपालिका)	22	3,698
2.	*सरकारी एजेंसियां* (केन्द्रीय सरकार+दिल्ली प्रशासन)	25	8,846
3.	रेलवे	2	441
4.	सांविधिक निकाय	8	2,005
5.	निजी और स्वैच्छिक संगठन	24	3,732
	कुल	81	18,722

फ्लोराइड की विषाक्तता के कारण होने वाली मौतें

225. **श्री राम जेठमलानी :**
चौधरी हरि सिंह :

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 14 अप्रैल, 1992 के इकोनोमिक टाइम्स में "फ्लोराइड पाईजनिंग डेथ्स इन गुजरात" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) क्या यह सच है कि विषाक्त जल के कारण गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग आकस्मित मौत का शिकार बन रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो सरकार ने इस आपदा से लोगों की रक्षा करने के लिए अभी तक कोई विशेष उपाय किये हैं यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ): (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही और सभापटल पर रख दी जाएगी।

जनसंख्या नियंत्रण

226. **श्री आनन्द प्रकाश गौतम : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991 और 1992 में जनसंख्या को नियंत्रण में रखने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं और उनके क्या-क्या परिणाम निकले हैं ;

(ख) क्या सरकार ने जनसंख्या के स्तर को वर्तमान स्तर पर बनाये रखने के लिए कोई उपाय विकसित किया है ;

(i) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ii) यदि नहीं, तो वर्ष 1991-92 के बजट में इस शीर्ष के अन्तर्गत आबंटित की गई धनराशि कहां खर्च की गई और किस प्रकार खर्च की गई ; और

(ग) क्या सरकार जनसंख्या पर नियंत्रण पाने में असफल रही है; यदि नहीं तो पिछले 10 वर्षों से जनसंख्या किस दर से बढ़ रही है और उसके क्या कारण है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्रीमती डी० के० तारादेवी सिद्धार्थ): (क) जनसंख्या को नियंत्रण में रखने के लिए